सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 193 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 19 अगस्त, 2023

मूल्य ₹ 3/-

किसी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देना इतना मुश्किल नहीं है लेकिन उस इंसान को खोज पाना मुश्किल है जो आपके कुर्बानी का सम्मान करे।
–ब्रह्म कुमारी शिवानी

अंतिम पंघाल ने लगाया ऐतिहासिक... 7 | उच्चारण में सांस्कृतिक अहसासों... 3 | कोई भी ताकत मुझे झुका नहीं... 2

लोस चुनाव-24 में राहुल-प्रियंका पर कांग्रेस लगाएगी यूपी में दांव !

फिर से अमेठी में ताल ठोकेंगे सांसद राहुल, प्रियंका को भी चुनाव लड़ाने की उठी मांग

» नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के बयान से कार्यकर्ताओं में आया जोश

» भाजपा में मची खलबली, रणनीति पर चर्चा शुरू की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव-24 की आहट सुनाई दे रही है, वैसे-वैसे सियासी दलों में सक्रियता बढ़ती जा रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने भी अपने कील-कांटे दुरुस्त करने शुरू कर दिए है। इसी के मद्देनजर वह यूपी व एमपी जैसे राज्यों में पार्टी को मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है। उसने जहां मध्य प्रदेश में रणदीप सुरजेवाला को प्रभारी बनाया है तो अजय राय को उत्तर प्रदेश की कमान सौंप दी है।

नवनिर्वाचित यूपी प्रदेश अध्यक्ष ने पहले बयान में कहा है राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं उनकी बहन व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को यूपी से चुनाव लड़ाने की मांग उठने लगी है। उधर अजय राय के बयान के बाद विपक्षी खेमे भाजपा में बेचैनी बढ़ गई है। वह भी अपनी रणनीति बनाने लग गई है। हालांकि उसने कहा है कि राहुल-प्रियंका के लड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उधर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा है कि उन्हे वाराणसी से लड़ाना चाहिए। वह पहले नेता नहीं जिन्होंने ये मांग की है। इससे पहले हरीश रावत, संजय राउत व उनके पति राबर्ट वाड्रा ने भी ये बाते कहीं थी। 2019 में भी ऐसे ही मांग उठी थी, पर व चुनाव नहीं लड़ीं थीं।

वाराणसी से चुनाव लड़ीं तो पीएम मोदी को वापस गुजरात भेज देंगी प्रियंका गांधीः राशिद अल्वी

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर एक भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा है कि अगर प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़ती हैं तो पीएम मोदी को गुजरात वापस जाना पड़ेगा। राशिद अल्वी ने कहा, अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं तो स्मृति ईरानी की जमानत जब्त हो जाएगी। ये भी मुमकिन है कि वो अमेठी छोड़कर चली जाएं। मेरी बीजेपी नेताओं से गुजारिश है कि वो उन्हें भागने न दें। उनसे कहें कि आप मंत्री भी हैं और सांसद भी आप अमेठी से मुकाबला कीजिए। इसके अलावा उन्होंने वाराणसी लोकसभा सीट को लेकर बात करते हुए कहा, जहां तक प्रियंका गांधी का ताल्लुक है तो अगर उन्होंने वाराणसी से चुनाव लड़ा तो नरेंद्र मोदी जी वापस गुजरात चले जाएंगे। वो वाराणसी से चुनाव नहीं लड़ेंगे. ये मेरी भविष्यवाणी है।

वाड्रा व राउत ने भी कही थी यही बात

इससे पहले प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था, मुझे लगता है कि उन्हें (प्रियंका गांधी) संसद में होना चाहिए। उनके पास सभी योग्यताएं हैं और वह बहुत अच्छा काम करेंगी। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी उन्हें स्वीकार करेगी और उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं, जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र है। राउत ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए वाराणसी लोकसभा क्षेत्र से बाहर जाना मुश्किल होगा अगर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा वहां से (2024 के लोकसभा चुनाव में) चुनाव लड़ें। मुझे विश्वास है कि प्रियंका जीतेंगी। हरीश रावत ने भी इस विचार का समर्थन किया कि प्रियंका गांधी को आगामी राष्ट्रीय चुनाव लड़ना चाहिए, उन्होंने कहा,करोड़ों लोग प्रियंका गांधी को संसद में देखना चाहते हैं।

लेह-लद्दाख की वादियों में राहुल ने की बाइक राइड

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद-कारगिल के लिए मतदान से कुछ हफ्ते पहले अपनी लद्दाख यात्रा के दौरान पैंगोंग झील गए। वायनाड सांसद ने इंस्टाग्राम पर लद्दाख की अपनी बाइक यात्रा की 10 तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरें शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा, पैंगोंग झील के रास्ते में, में मेरे पिता कहा करते थे कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है।

अभद्र पोस्ट करने पर सजा जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

» सिर्फ माफी मांग लेने से काम नहीं चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सोशल मीडिया पर अभद्र और अपमानजनक पोस्ट करने वालों को सजा मिलनी जरूरी है। ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही से नहीं बच सकते है। उन्हें अपने किए का नतीजा भुगतना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार यानी 18 अगस्त को ये टिप्पणी करते हुए तमिलनाडु के एक्टर और पूर्व विधायक एस वे शेखर (72 साल) के खिलाफ दर्ज मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया।

उनके खिलाफ महिला पत्रकारों के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया गया है। मामला 2018 का है। शेखर ने अपने फेसबुक पर महिला पत्रकारों को टारगेट करते हुए आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दरअसल एक महिला पत्रकार ने तमिलनाडु के तत्कालीन गवर्नर बंवारीलाल पुरोहित पर उसके गाल छूने का आरोप लगाया था। शेखर ने महिला पत्रकार के इसी आरोप को लेकर अपनी राय दी थी। उनके इस पोस्ट के बाद काफी विवाद हुआ था। डीएमके ने उनके इस्तीफे की मांग की थी। शेखर ने बाद में माफी मांगी थी और पोस्ट भी डिलीट कर दिया था, लेकिन इस पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ तमिलनाडु में कई केस दर्ज किए।

बहुत ध्यान से सोशल मीडिया का इस्तेमाल हो : न्यायाधीश

जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा, कि शेखर ने कैसे बिना पोस्ट का कंटेंट पढ़े, उसे शेयर कर दिया। इसके बाद इस मामले में उनके खिलाफ कार्यवाही में दखल देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने उन्हें कानूनी कार्यवाही का सामना करने को कहा। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते वक्त लोगों को बहुत ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया का इस्तेमाल जरूरी नहीं है, लेकिन अगर कोई करता है तो उसे गलती का खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

ईडी ने सोरेन को भेजा दूसरा समन

» 24 अगस्त को होगी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दूसरा समन भेजा है। समन भेज उनसे 24 अगस्त को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। ईडी ऑफिस में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनकी व उनके परिवार की संपत्तियों के बारे में पूछताछ करेगी। इससे पहले आठ अगस्त को भी ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को उपस्थित होने के लिए कहा था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए थे। मुख्यमंत्री ने ईडी को चिट्ठी लिखकर समन वापस लेने के लिए कहा था।

यह भी कहा था कि वे कानूनी

सलाह ले रहे हैं। कानूनी प्रक्रिया के तहत ईडी से निपटेंगे। सीएम ने ईडी को लिखा था कि आपका इस मामले में भेजा गया समन गैर कानूनी है। वे कानूनी सलाह लेकर ही आगे बनेंगे। मुख्यमंत्री ने ईडी को चिट्ठी लिखकर आगे कहा कि 14 अगस्त को आपके सामने पेश होने के लिए मुझे जान-बूझकर समन भेजा गया है।

लोकतंत्र के लिए भाजपा बड़ा खतरा : अखिलेश

» बोले- वोट देने का अधिकार छीन सकती है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार से लोकतंत्र को खतरा है। संविधान को खतरा है। भाजपा की सरकार जिस तरह से काम कर रही है, उससे आने वाले दिनों में वोट देने का अधिकार भी छीन सकती है। जिस तरह सरकार चुनाव आयोग को अपने नियंत्रण में लेकर उस पर हस्तक्षेप करके पहले की व्यवस्था बदल कर पूरा कंट्रोल कर रही है, उससे यह बात साफतौर पर जाहिर होती है। भाजपा लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बन गई है।

सपा अध्यक्ष खजूरगांव स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं ठप हैं। एम्स लालगंज में बनना तय था। उसे रायबरेली ले जाया गया। जब समाजवादियों ने भारत सरकार को जमीन दी तो रायबरेली में एम्स बना। एम्स, रेल कोच कारखाना सहित तमाम प्रोजेक्ट समाजवादियों की देन है। भाजपा ने एम्स विकास के लिए बजट नहीं दिया।

एंबुलेंस और 100 नंबर सेवा को खराब कर दिया। सड़कों पर नए ट्रैफिक अफसर आ गए हैं, जो दिन में नहीं रात में दिखाई देते हैं। सुनने को मिला है कि सांड अब मंत्रियों को भी घेर लेते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को बांदा और फतेहपुर में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होकर लखनऊ लौट रहे थे। उनकी लोक जागरण यात्रा के गेगासों पहुंचने पर सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, सपा नेता दिव्यांबर सिंह ने समर्थकों के साथ जोरदार स्वागत किया। बातचीत के दौरान मीडिया ने अखिलेश से सवाल पूछा कि उनकी सरकार बनती है तो रायबरेली को क्या पैकेज मिलेगा, इस पर अखिलेश ने कहा कि रायबरेली पहले से वीआईपी है। अब तो वीवीआईपी है। उनकी सरकार बनेगी तो वह रायबरेली को ट्रिपल वीआईपी बनाएंगे। वहीं उत्तर प्रदेश में आवारा जानवरों का मुद्दा लगातार गरमाता रहा है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष लोकसभा चुनाव 2024 से पहले सरकार को आवारा पशुओं के मुद्दे पर घेर रहे हैं। दूसरी तरफ लोगों की ओर से भी इन जानवरों को लेकर बड़ा संकेत दे दिया गया है। हाल के समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे लग रहा है कि आवारा जानवरों को लोग अब विरोध का हथियार बना रहे हैं। सपा इस मुद्दे पर जनता का साथ देगी।

इंडिया गठबंधन और पीडीए मिलकर एनडीए को बाहर करेंगी

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार कोई काम नहीं कर रही है। आने वाले समय में इंडिया गठबंधन और पीडीए मिलकर एनडीए को बाहर कर देगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज करते हुए कहा कि भगवान का नाम लेकर झूठ बोला जा रहा है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। किसानों के घर में खुशहाली नहीं आई। बेटे को नौकरी नहीं है। किसानों को सम्मान निधि देकर गुमराह किया जा रहा है। करोड़ों नौकरियां देने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ। गरीबों को मिलावटी तेल दिया गया। 100 रुपये के राशन पर सरकार वोट लेना चाह रही है। इंडिया और पीडीए गठबंधन देश को खुशहाली के रास्ते पर लेकर जाएगी।

संविधान विरोधी बातें करने वालों का विरोध हो : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन बिबेक देबरॉय द्वारा अपने लेख में देश में नए संविधान की वकालत करना उनके अधिकार क्षेत्र का खुला उल्लंघन है। इसका केन्द्र सरकार को तुरन्त संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आगे कोई ऐसी अनर्गल बात करने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि देश का संविधान इसकी 140 करोड़ गरीब, पिछड़ी व उपेक्षित जनता के लिए मानवतावादी एवं समतामूलक होने की गारण्टी है। यह स्वार्थी, संकीर्ण, जातिवादी तत्वों को पसंद नहीं है। वे इसको जनविरोधी व धन्नासेठ-समर्थक के रूप में बदलने की बात करते हैं, जिसका विरोध करना सबकी जिम्मेदारी है।

सुनियोजित थी नूंह हिंसा, काफी दिनों से तैयारी की जा रही थी : खट्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उसके अनुसार नूंह हिंसा एक सुनियोजित साजिश थी। इसके लिए काफी दिनों से तैयारी की जा रही थी। इसलिए इस वक्त इससे ज्यादा कुछ कहना उचित नहीं होगा।

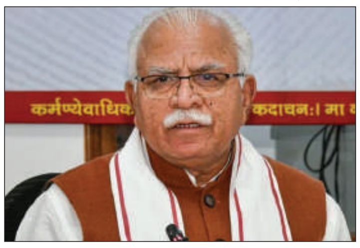

उन्होंने कहा कि दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। नूंह हिंसा के खुफिया इनपुट के सवाल पर उन्होंने कहा कि इन सभी चीजों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस समय कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, क्योंकि जांच चल रही है। अगर इस स्तर पर कुछ भी कहा जाता है और जांच के दौरान कुछ और सामने आता है तो आप (मीडिया) ही सवाल उठाएंगे। एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं, उनसे जब पूछा गया कि विहिप 28 अगस्त को ब्रज मंडल यात्रा फिर से निकालने की योजना बना रही है। क्या सरकार ने अनुमति दी है तो उन्होंने कहा कि सरकार के पास ऐसी कोई सूचना नहीं है। जब कोई सूचना आएगी, तभी उस पर कुछ बात करेंगे। 31 जुलाई को विहिप के एक जुलूस पर भीड़ द्वारा हमले के बाद नूंह में हुई झड़प में दो होम गार्ड समेत पांच की मौत हो गई थी। हिंसा की आग की लपटें गुरुग्राम में भी फैल गई थीं।

सार्वजनिक माफी मांगे सुरजेवाला : जजपा

» राक्षस वाले बयान पर भेजा लीगल नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। जननायक जनता पार्टी के लीगल प्रकोष्ठ ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला को राक्षस वाले बयान पर लीगल नोटिस भेजा है। प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट बलवान सुहाग ने नोटिस में सुरजेवाला अपने बयान के लिए 15 दिन में सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं होने पर सिविल व क्रिमिनल केस दायर करने की चेतावनी दी है।

एडवोकेट बलवान सिंह सुहाग ने कहा कि जजपा के मतदाताओं व कार्यकर्ताओं को राज्यसभा सांसद ने राक्षस प्रवृत्ति का बताया है। कैथल में 13 अगस्त को हुई रैली में यह बात कही गई। सुरजेवाला को पता होना चाहिए कि प्रत्येक पार्टी की अपनी

विचारधारा व सिद्धांत होते हैं। ऐसे में पार्टी के कार्यकर्ताओं पर टिप्पणी करना उनकी ओच्छी मानसिकता को दर्शाता है। इसके चलते उन्हें लीगल नोटिस भेजा गया है। इसमें सुरेजवाला को 15 दिन में सार्वजनिक तौर पर बिना शर्त माफी मांगने के लिए कहा गया है। ऐसा न करने के पर उनके खिलाफ सिविल व क्रिमिनल केस किया जाएगा। चौ. देवीलाल के सिद्धांत पर चलने वाली पार्टी कार्यकर्ता अनुशासन से बंधा है। हम कार्यकर्ता को भगवान मानते हैं। उनका मान-सम्मान है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री टेनी को बरी करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी गई चुनौती

लखीमपुर खीरी/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर कर 23 साल पुराने प्रभात गुप्ता हत्याकांड का मामले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बरी किए जाने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रभात गुप्ता के भाई ने यह याचिका दायर की है। लखीमपुर की निचली अदालत ने टेनी को बरी कर दिया था। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया था। वर्ष 2000 में प्रभात गुप्ता की लखीमपुर खीरी में सरेबाजार गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में अजय मिश्रा टेनी समेत चार लोगों को नामजद किया गया था।

कोई भी ताकत मुझे झुका नहीं सकती : केजरीवाल

» पीएम मोदी को डर है कहीं पूरा देश आप को प्यार न करने लगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में भाषण देते हुए कहा कि बीजेपी सेवा विधेयक के माध्यम से लोकतंत्र का संघी मॉडल लेकर आई है। 2024 का लोकसभा चुनाव दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य के मुद्दे पर लड़ा जाएगा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि अध्यादेश और विधेयक के माध्यम से दिल्ली के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचल दिया गया। सीएम ने कहा कि सेवा मामले पर अध्यादेश इसलिए लाया गया क्योंकि धनबल और ईडी तथा सीबीआई का खतरा दिल्ली में विफल हो गया था।

केजरीवाल ने यह भी दावा किया कि हाल ही में बीजेपी के किसी नेता ने उन्हें धमकी देते हुए कहा था, हम तुम्हें झुका देंगे। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि कोई भी ताकत केजरीवाल और दिल्ली के दो करोड़ लोगों को झुका नहीं सकती। साथ ही दिल्ली के सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री को एक खतरा है कि जैसे दिल्ली वाले आम आदमी पार्टी को प्यार करते हैं, वैसे ही देश आम आदमी पार्टी को प्यार न करने लगे। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा में कांग्रेस शासित घोटाले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पहले सीडब्ल्यूजी और कॉमनवेल्थ जैसे घोटालो के लिए जानी जाती थी, पर अब मुफ्त बिजली पानी अच्छे स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक के लिए जानी जाती है। केजरीवाल ने कहा कि 10 फरवरी 2015 को आम आदमी पार्टी की सरकार बनी। मई 2015 में केंद्र सरकार ने आदेश जारी किया कि एंटी करप्शन ब्रांच और सर्विसेस में चुनी सरकार का कोई अधिकार नहीं रहेगा। असंवैधानिक आदेश जारी किया गया था। अफसरों को हथियार बनाकर दिल्ली की सरकार को कुचला गया।

आप भ्रष्ट पार्टी, भरोसे के लायक नहीं : संदीप दीक्षित

दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच एक बार फिर से टकराव की स्थिति है। को कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट और भरोसे के लायक नहीं बताया है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों हुई बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे बल्कि ये कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। संदीप दीक्षित ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहा, हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे। हमने कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। गठबंधन की परवाह किए बिना हर पार्टी तैयारी करती है। जब गठबंधन बनेगा तो तय होगा कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा। हमारी बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी। हमने बैठक में गठबंधन पर चर्चा नहीं की। हमारा रुख यह है कि हम इस पार्टी (आप) पर भरोसा नहीं कर सकते। उनकी राजनीति में भ्रष्टाचार है। हमने ये नहीं कहा कि हम सातों सीटों पर लड़ेंगे। हमने कहा कि हम सात सीटों पर तैयारी करेंगे। गठबंधन की परवाह किए बिना हर पार्टी तैयारी करती है। जब गठबंधन बनेगा तो तय होगा कि कौन किस सीट पर चुनाव लड़ेगा। हमारी बैठक पार्टी को मजबूत करने के लिए थी।

कांग्रेस यूपी में नए कलेवर में उतरने को तैयार

प्रदेश की कमान अब अजय को सौंपा

» वाराणसी से जुड़े व्यक्ति को दी जिम्मेदारी

» भाजपा व मोदी पर दबाव बनाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा उसके बाद कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत, फिर सांसदी का जाना उसके बाद संसद में वापसी से राहुल गांधी की लोकप्रियता में उछाल के बाद से कांग्रेस में उत्साह चरम पर है। सियासी गलियारों में चर्चा होने लगी है कि इसबार के लोकसभा चुनाव में कुछ अप्रत्याशित हो सकता है। खैर ये तो आने वाला समय बताएगा कि राजनीति की दिशा किस ओर जाती है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 8-10 महीनों में कांग्रेस व उसके नेता राहुल गांधी के कद में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इन्हीं सबको देखते हुए शायद कांग्रेस अब देश के सबसे बड़े और राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण राज्य में उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा करने के तैयारी में हैं। इसी सिलसिले में उसने प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व को बदल दिया है अब राज्य में पार्टी की कमान वाराणसी के दिग्गज नेता अजयराय को सौंप दी है। वह पांच बार विधायक रहे हैं सड़क पर संघर्ष करने वाले नेता रहे हैं।

ऐसे भी उम्मीद की जा सकती है कि वह राज्य में मृतप्राय कांग्रेस को पुनर्विकास करके फिर से सियासी लड़ाई में खड़ा कर देंगे। कांग्रेस ने पूर्व विधायक अजय राय को प्रदेश की कमान सौंप कर एक साथ कई निशाने साधे हैं। पार्टी ने राय की नियुक्ति के जरिए यह साफ संदेश का प्रयास किया है कि वह नए सिरे से संघर्ष के लिए तैयार हो रही है। दूसरी तरफ इंडिया की ताकत बढ़ाने का भी विकल्प दिया है। प्रदेश की सियासी नब्ज पर नजर रखने वालों का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को हटाकर भूमिहार जाति के अजय राय की ताजपोशी के कई मायने हैं। विपक्ष की भूमिका में आने के बाद कांग्रेस की पहचान जनहित के मुद्दे पर निरंतर संघर्ष के लिए रही। लेकिन वक्त बदले और समय के साथ उसकी कार्यप्रणाली में भी बदलाव हुआ, जिसका नतीजा रहा कि पार्टी धीरे-धीरे सियासी जमीं से उखड़ती गई। वर्ष 2022 के चुनाव में विधायकों की संख्या घटकर सिर्फ दो रह गई है।

पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने भी पार्टी को पहुंचाया लाभ

पार्टी ने करीब छह माह बाद एक अक्टूबर 2022 को नया प्रयोग करते हुए दलित वर्ग से ताल्लुक रखने वाले पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी को अध्यक्ष और नकुल दुबे, वीरेंद्र चौधरी, अनिल यादव, योगेश दीक्षित, अजय राय और नसीमुद्दीन को प्रांतीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। ये सभी प्रांतीय अध्यक्ष अलग-अलग इलाके और अलग-अलग जातियों से थे। इस रणनीति के जरिए कांग्रेस हाईकमान ने हर क्षेत्र को एक अध्यक्ष देकर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई। विभिन्न दलों के तमाम नेताओं के कदम कांग्रेस की ओर बढ़े, लेकिन उस तरह का संघर्ष नहीं दिखा, जिसकी वह उम्मीद करती है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को सिर्फ 11 माह का कार्यकाल मिला। उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी का भी गठन नहीं किया। खास बात यह है कि उनके कार्यकाल में कांग्रेस की प्रभारी रहीं प्रियंका गांधी का भी कोई दौरा नहीं हुआ। खाबरी के बदले जाने की करीब दो माह से चर्चा चल रही थी। अब तस्वीर साफ हो गई है। खाबरी का कहना है कि उन्होंने बतौर अध्यक्ष पार्टी को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उनके कार्यकाल में सपा, भाजपा, बसपा से तमाम नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली है। वह अपनी कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हैं। आगे भी शीर्ष नेतृत्व जो जिम्मेदारी देगा, उसे पूरी जिम्मेदारी से निभाएंगे।

इंडिया को मजबूती देने पर भी नजर

पार्टी ने अजय राय के जरिए फिर से जुझारूपन के साथ मैदान में उतरने का संदेश दिया है। वजह, पांच बार विधायक रहे अजय राय हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि खाबरी को हटाना कांग्रेस हाईकमान की दूरगामी सियासी सोच हो सकती है। वह कहते हैं कि पूर्व सांसद खाबरी को संगठन में कोई न कोई जिम्मेदारी मिलनी तय माना जा रहा है। लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस प्रयोग का दूसरा पहलू यह है कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की ताकत बढ़ाना भी हो सकता है। अभी तक इंडिया में बसपा प्रमुख मायावती नहीं है। पूर्व सांसद खाबरी हों या नसीमुद्दीन, इनके नेतृत्व को लेकर मायावती सवाल खड़े कर सकती थीं। अब ये नेता पर्दे के पीछे रहेंगे। बसपा से तालमेल के लिहाज से यह पृष्ठभूमि भी हो सकती है।

कार्यकर्ताओं का बढ़ा उत्साह

पूर्व विधायक अजय राय के अध्यक्ष बनने पर पार्टी के तमाम लोगों ने बधाई दी। पार्टी के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा कि अजय राय के नेतृत्व में नए उत्साह के साथ संगठनात्मक सक्रियता बढ़ेगी। इसी तरह मुकेश सिह, मनोज यादव, प्रमोद पांडेय आदि ने भी उन्हें बधाई दी। कांग्रेस हाईकमान ने अब तक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष रहे पूर्व विधायक अजय राय को प्रोन्नति देते हुए प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी वाराणसी से चुनाव लड़ चुके हैं। नवनियुक्त अध्यक्ष ने बताया कि संगठन की सक्रियता और लोकसभा चुनाव में दमदार प्रदर्शन उनकी प्राथमिकता होगी। पार्टी के हर नेता एवं कार्यकताओं के मान- सम्मान की रक्षा की जाएगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपन की ओर से बृहस्पतिवार को जारी पत्र में अजय राय को अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही अध्यक्ष बृजलाल खाबरी और अन्य प्रांतीय अध्यक्षों के कार्यकाल की सराहना की है।

मुरली मनोहर के खिलाफ लड़ चुके हैं लोस चुनाव

वाराणसी निवासी 54 वर्षीय अजय राय भूमिहार जाति से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने 1996 में भाजपा की सदस्यता ली और कोलअसला सीट से विधायक बने। वर्ष 2009 में सपा का दामन थामा। वह मुरली मनोहर जोशी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। इसके बाद कांग्रेस का हाथ पकड़ा और वर्ष 2014 और 2019 में वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े। पार्टी शीर्ष नेतृत्व की ओर से लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किए गए इस बदलाव को सियासी नजरिए से अहम माना जा रहा है।

पूर्व विधायक राय को जुझारू नेता के रूप में पहचाना जाता है। खासतौर से वह पूर्वांचल में मजबूत पकड़ रखते हैं। इस इलाके को कांग्रेस भी अपने लिए उपजाऊ मानती रही है। पांच बार विधायक रहे अजय राय ने 2012 में कांग्रेस का हाथ थामा और उसी साल विधानसभा उपचुनाव में वाराणसी की पिंडरा सीट से पांचवी बार विधायक बने। इसके बाद से लगातार कांग्रेस में रहे।

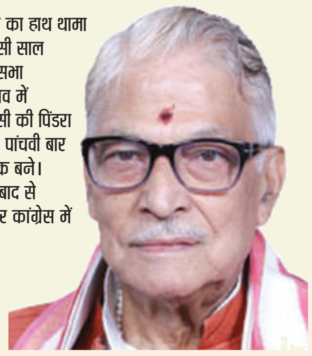

दलित वोटरों के हाथों में घोसी का भविष्य

उपचुनाव में सपा व भाजपा में टक्कर

» 5 सितंबर को पड़ेंगे वोट

» अगड़े, पिछड़े व मुस्लिम वोटरों पर भी रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दारा सिंह चौहान के इस्तीफे के बाद खाली हुई घोसी विधान सभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस व बसपा के न उतरने से अब सीधी लड़ाई सपा व भाजपा में नजर आ रही है। मऊ जिले की घोसी विधानसभा क्षेत्र में 5 सितंबर को होने वाले मतदान में भाजपा और सपा के बीच कांटे का मुकाबला होने के आसार हैं। बसपा प्रमुख मायावती के प्रत्याशी न उतारने से उसके परंपरा गत दलित वोटरों पर दोनो पार्टियों की नजर है। ऐसा माना जा रही है कि अगड़े तथा पिछड़े मतदाता भाजपा व सपा में बंटने से दलित मतदाता निर्णायक भूमिका अदा करेंगे।

घोसी के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के दिन तक जो भी राजनीतिक दल दलित वोट बैंक को साधने में सफल रहा बाजी उसी के हाथ लगेगी। घोसी उप चुनाव में भाजपा ने सपा छोड़कर पार्टी में शामिल हुए पूर्व विधायक एवं मंत्री दारा सिंह चौहान को ही प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा ने क्षत्रिय समाज के सुधाकर सिंह पर दांव लगाया है। सुधाकर सिंह 2017 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर तीसरे और 2019 में निर्दलीय चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे। जानकारों का मानना है कि जातीय वोट बैंक के लिहाज से क्षेत्र में सपा के सुधाकर सिंह और भाजपा के दारा सिंह चौहान के बीच सीधा मुकाबला होगा। बसपा की गैर मौजूदगी में मुस्लिम और यादव वोट बैंक का बड़ा हिस्सा सपा प्रत्याशी के पक्ष में जा सकता है। वहीं सपा को बड़ी संख्या में क्षत्रिय वोट मिलने की उम्मीद है। सपा राजभर, निषाद, भूमिहार, वैश्य और ब्राह्मणों में भी सेंध लगाने का प्रयास करेगी। वहीं भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह को सजातीय नोनिया चौहान मतदाताओं का साथ मिलेगा। सुभासपा से गठबंधन होने के नाते पार्टी के नेता राजभर समाज और निषाद पार्टी से गठबंधन के चलते निषाद समाज का भी अधिकांश वोट मिलने के प्रति मुतमइन हैं। पार्टी को बड़ी संख्या में भूमिहार, वैश्य और ब्राह्मणों का समर्थन भी मिले की उम्मीद है। स्थानीय जानकारों का मानना है कि ऐसे में दलित मतदाता ही निर्णायक भूमिका अदा करेंगे। दोनों ही राजनीतिक दल दलितों के बीच पैठ बढ़ाने के साथ उनका मत एवं समर्थन प्राप्त करने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। मऊ की घोसी सीट पर होने वाले विधानसभा के उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार तक 17 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। बृहस्पतिवार को नामांकन के आखिरी दिन 13 प्रत्याशियों ने अपना पर्चा दाखिल किया। इनमें समाजवादी पार्टी के सुधाकर, पीस पार्टी के सनाउल्लाह, बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रवेंद्र प्रताप सिंह, जन अधिकार पार्टी के अफरोज, निर्दलीय चंद्रजीत, निर्दलीय अरविंद कुमार चौहान, राष्ट्रीय जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के अरविंद कुमार चौहान, निर्दलीय विनय कुमार, निर्दलीय रमेश, पीस पार्टी के सलाउद्दीन, निर्दलीय अरविंद कुमार राजभर, निर्दलीय रामअवतार और अवामी पिछड़ा पार्टी के इस्माइल अंसारी शामिल हैं। वहीं बुधवार तक चार लोगों ने नामांकन किया था, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के दारा सिंह चौहान, जनराज्य पार्टी के सुनील चौहान, आम जनता पार्टी (सोशलिस्ट) के राजकुमार चौहान और जनता क्रांति पार्टी (राष्ट्रवादी) के मुन्नी लाल चौहान शामिल हैं। बता दें कि चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 18 अगस्त को नामांकन पत्रों का परीक्षण होगा, जबकि 21 अगस्त को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। उपचुनाव के लिए पांच सितंबर को मतदान होगा, जबकि आठ सितंबर को मतगणना का कार्यक्रम है।

4,30,391 मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग

घोसी की कुल आबादी करीब 7,02,235 है। उप चुनाव में 4,30,391 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 2,31,536 पुरूष और 1,98,825 महिला मतदाता है। क्षेत्र में सर्वाधिक करीब 90 हजार दलित मतदाता हैं। इनमें चमार, जाटव, धोबी, खटीक, पासी के मतदाता अधिक हैं। क्षेत्र में करीब 95 हजार मुस्लिम मतदाता बताए जाते हैं इनमें से 50 हजार से अधिक अंसारी हैं। पिछड़े वर्ग में 50 हजार राजभर, 45 हजार नोनिया चौहान, करीब 20 हजार मल्लाह निषाद, 40 हजार यादव, 5 हजार से अधिक कोइरी और करीब 5 हजार प्रजापति समाज के मतदाता हैं। अगड़ी जातियों में 15 हजार से अधिक क्षत्रिय, 20 हजार से अधिक भूमिहार, 8 हजार से ज्यादा ब्राह्मण और 30 हजार वैश्य मतदाता हैं।

90 हजार से अधिक मुस्लिम मतदाता भी निर्णायक

घोसी विधानसभा क्षेत्र में करीब 90 हजार से अधिक मुस्लिम मतदाता हैं। इनमें से करीब 50 हजार से अधिक अंसारी मतदाता हैं। भाजपा बीते दो वर्ष से पसमांदा मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास कर रही है। चुनाव नतीजे बताएंगे कि भाजपा पसमांदा मुस्लिम समाज को साधने में कितना सफल रही। मऊ जिले को माफिया मुख्तार का गढ़ माना जाता है। घोसी में मुख्तार के सजातीय करीब 50 हजार से अधिक अंसारी मतदाता हैं। मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी 2017 में घोसी से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे। प्रदेश सरकार मऊ में अब मुख्तार के आपराधिक साम्राज्य के साथ राजनीतिक गढ़ भी ध्वस्त करने में जुटी है। ऐसे में मुख्तार के समर्थकों के रुख पर भी राजनीतिक विश्लेषकों की नजर रहेगी। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर घोसी उप चुनाव में भाजपा की भी बड़ी परीक्षा है। मऊ लोकसभा क्षेत्र पर अभी बसपा का कब्जा है। भाजपा ने 2024 में मऊ सीट को जीतने के लिए गहन योजना बनाई है। दारा सिंह चौहान को सपा से तोड़कर भाजपा में शामिल करना भी उसी योजना का हिस्सा है। जानकारों का मानना है कि घोसी में जीत से ही लोकसभा चुनाव में भाजपा की राह आसान होगी। घोसी में सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा की भी परीक्षा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjayshamra

@Editor_Sanjay

जातिगत जनगणना से सामजिक स्थिति का चलेगा पता

> “ बिहार में जाति आधारित गणना को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सुनवाई की। बिहार सरकार ने कहा कि, हमने गणना पूरी कर ली है। इसे वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यह एक उम्दा फैसला है । अब सरकार को जातियों की सामाजिक स्थिति की जानकारी मिल जाएगी। हालांकि कोर्ट ने निजी जानकारी को सार्वजनिक करने के फैसले पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है वह इस पर 21 अगस्त को दलीलें सुनेगा। बिहार में जाति आधारित गणना को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सुनवाई की। बिहार सरकार ने कहा कि, हमने गणना पूरी कर ली है। इसे वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने जातिगत सर्वे का डेटा सार्वजनिक करने पर रोक लगाने की मांग की है, जस्टिस खन्ना ने कहा कि निजी आंकड़े कभी सार्वजनिक नहीं होते, आंकड़ों का विश्लेषण यानी ब्रेक अप ही जारी किया जाता है, हम तब तक रोक नहीं लगाएंगे जब तक पहली नजर में जरूरी न हो, याचिकाकर्ताओं के वकील सीएस वैद्यनाथन ने पुट्टास्वामी मामले में सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह सर्वे निजता के अधिकार का हनन है, सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार के वकील से कहा कि दो तरह के डेटा हैं, एक व्यक्तिगत डेटा जो सार्वजनिक नहीं किया जा सकता प्राइवेसी का सवाल है।

जबकि ब्रेकअप डेटा का एनालिसिस किया जा सकता है जिससे बड़ी पिक्चर सामने आती है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि यह कोई संवैधानिक आदेश नहीं था यह प्रशासनिक आदेश था, सर्वे का डेटा सार्वजनिक ना किए जाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार 21 अगस्त को सुनवाई करेगा। उस दिन याचिकाकर्ताओं द्वारा राज्य सरकार द्वारा सर्वे किए जाने के अधिकार के सवाल पर भी दलील रखी जाएगी। बिहार में जाति आधारित गणना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बिहार सरकार ने कहा कि वह अभी डाटा सार्वजनिक नहीं करने जा रही है, बिहार सरकार के वकील ने कहा कि सर्वे 6 अगस्त तक पूरा हो गया है, इसकी सूचना 12 अगस्त को वेबसाइट पर अपलोड भी कर दी गई है. याचिकाकर्ता के वकील सीएस वैद्यनाथन ने कहा कि निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता, किसी वैध उद्देश्य वाले निष्पक्ष और उचित कानून के अलावा नहीं किया जा सकता है, यह सरकार के कार्यकारी आदेश के जरिए नहीं किया जा सकता. किसी को कोई कारण नहीं बताया गया और न ही सूचित किया गया. कोर्ट अब सोमवार को इस मामले पर आगे सुनवाई करेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

उच्चारण में सांस्कृतिक अहसासों का आत्मीय स्पर्श

वेद विलास उनियाल

केरल को केरलम के नाम से पुकारा जाए, इसका फैसला अब केंद्र सरकार को लेना है। केरल में सीएम पिनराई विजयन के राज्य का नाम केरलम करने के प्रस्ताव को सदस्यों ने पिछले दिनों सर्वसम्मति से पास किया। अब केरल सरकार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि वह इस प्रस्ताव को संसद में लाए। यानी गेंद अब केंद्र सरकार के पाले में है। केरल को केरलम करने की भावना केवल भावनात्मक नहीं। इसके पीछे परंपरा और विरासत का उद्घोष भी है। केरलवासी आज भी केरलम कहने में खुशी का अनुभव करते हैं। इसके पीछे वह एक ध्वनि गूंज का अहसास करते हैं। वार्तालाप में केरलम आने का भाव है कि इसके लिए राज्य में पुकार रही है। राज्य सरकार ने भारत के संविधान की आठवीं सूची में शामिल सभी भाषाओं में राज्य का नाम केरल से केरलम बदलने का आग्रह किया है। संविधान की पहली सूची के तहत राज्य का नाम केरल लिखा गया है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 3 नए राज्यों के गठन और मौजूदा राज्य के क्षेत्र सीमा और नामों में परिवर्तन का अधिकार देता है।

केरल से केरलम तक आने की लंबी प्रक्रिया कई मोड़ों से गुजरी है। 257 ईसा पूर्व सम्राट अशोक के शिलालेखों में स्थानीय शासकों को केरल पुत्र के तौर पर दिखाया गया है। यह भी कहा जाता है कि केरल शब्द मलयालम में केरा से आया जिसका अर्थ है नारियल का पेड़ और आलम का अर्थ है भूमि। इस तरह अब अगर केरलम शब्द से राज्य सामने आता है तो इसका अर्थ होगा नारियल के पेड़ों वाली भूमि। केरल शब्द को लेकर कई धारणाएं हैं। समुद्र के भूभाग से निकले क्षेत्र को केरल कहा जाता है। कहा यह भी जाता है कि कभी यहां चेरा शासकों का राज्य था। इससे इस क्षेत्र को चेरलम कहा जाता था। इसी से इसका नाम केरल पड़ा है। लेकिन केरल में शब्दों का आत्मीय स्पर्श आम बोलचाल में केरलम शब्दों में ही उतरा। आज देश के बाहर इस राज्य को केरल कहा जाता है लेकिन राज्य में लोगों ने केरलम शब्द में अपनी लय ताल को ज्यादा महसूस किया।

गौर करने लायक बात यह भी है कि जहां पश्चिम बंगाल को बांग्ला कहने या उत्तरांचल को उत्तराखंड करने में सियासी बहस हुई वहीं केरलम के प्रयासों के लिए सियासी उलझन नहीं दिखी। पिनराई विजयन की वामपंथी सरकार के लिए कांग्रेस के समर्थन वाले यूडीएफ का समर्थन लेना सहज

रहा। 1956 में भाषाई आधार पर केरल राज्य बना था। दरअसल 1920 में राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक में यह प्रस्ताव पास हुआ था कि राज्य सिर्फ क्षेत्रीय नहीं भाषाई आधार पर भी बनना चाहिए। यहीं से केरल शब्द का विचार सामने आया था। इसके साथ ही मलयाली बोलने वालों ने एक्य केरल नाम से आंदोलन किया था। जिसका आधार था एक केरल की स्थापना। इसमें वह त्रावणकोर कोच्चि और मालाबार में रहने वाले लोगों के लिए अलग राज्य की मांग कर रहे थे। 1 जुलाई, 49 को त्रावणकोर और कोचीन रियासत को मिलाकर संयुक्त राज्य त्रावणकोर और फिर कोचीन की दो पूर्ववर्ती रियासतों को मिलाकर संयुक्त राज्य त्रावणकोर कोचीन राज्य कर दिया। लेकिन वे सभी मलयाली भाषी लोगों के लिए राज्य चाहते थे। इसके लिए उन्होंने लगातार आंदोलन किया। आखिर भाषाई आधार पर एक नवंबर, 1956 को केरल राज्य बना। केरल राज्य को लेकर लोगों में यह धारणा रही कि यह शब्द अंग्रेजी में कहा जाता है। मलयालम और यहां की संस्कृति में उसे केरलम से पुकारा जाना जाता है। माना जा सकता है कि इसमें केंद्र के स्तर पर अनुमति मिलने पर कोई दिक्कत नहीं होगी। भारत में कई राज्यों के नाम बदले गए। इनमें उत्तरांचल की जगह 2007 में उत्तराखंड किया गया। 2011 में उड़ीसा का नाम ओडिशा किया गया। पश्चिम बंगाल ने भी राज्य का नाम बांग्ला करने की अनुमति मांगी थी। दरअसल राज्यों का नाम केवल भावुकता और प्राचीन परंपरा के आधार पर ही बदले जाने की मांग नहीं उठी है, इसके पीछे कहीं न कहीं सियासत भी रही है। माना गया कि यह नाम सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को ज्यादा अभिव्यक्त करता है। पश्चिम बंगाल को बांग्ला करने के पीछे इसके क्षेत्रीय सरोकारों को तरजीह देने की बात थी। लेकिन केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि पश्चिम बंगाल के मामले में संविधान में बदलाव करना होगा। इसमें केंद्र और टीएमसी के बीच खासी बहस हुई है।

इसी तरह पहले मध्यप्रदेश को मध्य भारत और तमिलनाडु को मद्रास स्टेट कहा जाता था। इसी तरह उत्तराखंड नाम को बीजेपी सरकार ने उत्तरांचल नाम दिया था। बाद में उसे कांग्रेस सरकार ने उत्तराखंड नाम दिया। उड़ीसा को अब ओडिशा पुकारा जाता है। नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी यानी नेफा का नाम अरुणाचल किया गया।

अफगानिस्तान को मान्यता नहीं, मदद की दरकार

पुष्परंजन

पंद्रह अगस्त, 2023 को अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन के दो साल हो चुके हैं। तालिबान शासन ने तीसरे साल में प्रवेश कर लिया है, उसे अब भी मान्यता का इंतजार है। जब मान्यता नहीं है, तो दिल्ली स्थित अफगान दूतावास को क्या अवैध माना जाए? विदेश मंत्रालय में अफगान डेस्क देखने वाले कूटनीतिक इस यक्ष प्रश्न पर मौन साध जाते हैं। फरीद मामुंदजय ने 14 मार्च, 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अपना प्रत्यय पत्र आभासी रूप में प्रस्तुत किया था। उसके पांच माह बाद 15 अगस्त, 2021 को काबुल में संघीय सरकार का पतन और इस्लामिक अमीरात के फतह की घोषणा हुई थी। फरीद मामुंदजय जैसे राजदूत के लिए असमंजस की स्थिति है। सरकार को मान्यता नहीं, और राजदूत की जिम्मेदारी निभानी है। अस्वीकृत सरकार के राजदूत कब तक बने रहेंगे? दुनियाभर में तैनात अफगान दूत इसी दुविधा से गुजर रहे हैं।

15 अगस्त, 2021 को काबुल के पतन से नौ दिन पहले निमरोज पहला प्रांत था, जो इस्लामिक अमीरात की सेनाओं के कब्जें में आया। इसके प्रकारांतर नौ दिनों के भीतर देश के 32 अन्य प्रांत पूरी तरह से इस्लामिक अमीरात के नियंत्रण में आ चुके थे। इस्लामिक अमीरात के काबुल पहुंचते ही अराजकता फैल गई। राजधानी काबुल में तालिबान की दस्तक के साथ पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी ने 15 अगस्त की दोपहर झोला उठाया, और अफगानिस्तान से भाग निकले। इस्लामिक अमीरात ने दूसरी बार अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। शायद कुछ ही लोगों को गणतंत्र के पतन और अमीरात की स्थापना का अनुमान था। मगर वो तबाही का मंजर था। पूरा मुल्क भयग्रस्त। दुनिया दम साधे इंसानी विस्थापन की बदतरीन तस्वीर देखती रही। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने तब कहा था कि हम अफगानिस्तान की समस्याओं को शांतिपूर्ण, भाईचारे के जरिये सुलझाने के लिए तालिबान के नेताओं से बात करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा कुछ हुआ क्या? स्वयं हामिद करजई के लोगों को सत्ता में शिरकत का अवसर नहीं मिल रहा।

पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के जो लोग बचे-खुचे हैं, अपने देश में अज्ञातवास झेल रहे हैं। मगर, दिलचस्प यह है कि अशरफ गनी की सरकार को अब भी संयुक्त राष्ट्र में मान्यता मिली हुई है। राजधानी काबुल में 13 देशों ने अपना दूतावास खोल रखा है, उनमें भारत भी है। अफगानिस्तान के 49 दूतावास व 20 कौंसुलेट दुनियाभर में स्थापित हैं, लेकिन किसी भी राजदूत को नियुक्त इस्लामिक अमीरात के माध्यम से स्वीकृत नहीं हो पाई है। पुराने सत्ताधारियों का दु:ख उस मंजर को याद कर बढ़ जाता है, जब इस्लामिक अमीरात के सदस्यों ने 15 अगस्त, 2021 की शाम, आर्ग (राष्ट्रपति निवास) पहुंचकर पिछली सरकार का झंडा उतार दिया था। अल जजीरा टीवी के प्रसारण में उस समय इस्लामिक अमीरात के वरिष्ठ नेताओं में से एक मुल्ला अब्दुल गनी बारादर ने लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का आश्वासन दिया था। उसके शब्द अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष फरेब ही साबित हुए। तब मुल्ला अब्दुल गनी बारादर ने कहा था, 'हम एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गए थे, जहां ऐसी कोई उम्मीद नहीं थी कि अफगानिस्तान इस तरह हमारे हाथों में आ जाएगा।'

अंतिम अमेरिकी सैनिक मेजर जनरल क्रिस डोनह्यू के अफगानिस्तान छोड़ देने के बाद दुनिया ने मान लिया कि 31 अगस्त, 2021 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपनी दो दशकों की सैन्य उपस्थिति समाप्त कर दी। लेकिन अमेरिकी चौधराहट से अफगानिस्तान को मुक्ति नहीं मिली है। करीब 3 लाख 50 हजार को संख्या बल वाली जिस अफगान सेना को तैयार करने में बरसों-बरस लगे, वो एक झटके में बिखर गई। 6 सितंबर, 2021 को पंजशीर पर फतह के अगले दिन इस्लामिक अमीरात ने अपनी अंतरिम कैबिनेट की घोषणा की। एक मुल्क जहां के लोग आशियाना और आबोदाना की समस्या से जूझ रहे हों, उन्हें भूखों मरने के लिए छोड़ा नहीं जा सकता। भारत, संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएफपी) के तहत अब तक 47,500 मीट्रिक टन गेहूं अफगानिस्तान भेज चुका है। इसके अतिरिक्त दवाएं और दूसरी सहायता सामग्रियां इस देश को भेजी गई हैं। हेरात स्थित 'यूएनडब्ल्यूएफपी' के अधिकारी बताते हैं कि अफगानिस्तान के एक करोड़ 60 लाख जरूरतमंद लोगों के लिए ये सामग्रियां चाबहार पोर्ट के रास्ते भारत ने अफगानिस्तान भिजवाने का इंतजाम किया है।

चीन, दाने-दाने को तरसते इस देश को सहायता के नाम पर स्कॉलरशिप दे रहा है। अफगान मार्ग का इस्तेमाल चीन सेंट्रल एशिया में व्यापार के विस्तार के लिए कर रहा है। इस्लामिक अमीरात को चीन ने सस्ती दर पर विद्युत और सीमेंट उत्पादन के लिए राजी किया है। 'फान-चाइना अफगान माइनिंग प्रोसेसिंग एंड ट्रेडिंग कंपनी', अफगानिस्तान में खनन के वास्ते 35 करोड़ डॉलर के निवेश का अहद कर चुकी है। चीन-पाकिस्तान आपदा में अवसर तलाशने की हर कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन अफगान शासन को मान्यता या यहां की जनता को अन्न-वस्त्र देना इनकी नीयत और नीति से गायब दिखता है। अमेरिका ने अफगानिस्तान को दर्द दिया है, तो दवा वही पर्दे के पीछे से मुहैया करा रहा है। प्रतिबंध के बावजूद, वाशिंगटन ने बातचीत का दरवाजा बंद नहीं किया है। अमेरिका और तालिबान के बीच नियमित बातचीत के दो रास्ते हैं, एक राजनीतिक और दूसरा, खुफिया आधारित।

कैंसर
ये चीजें खाने से खतरा होगा कम

कैंसर, वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है। साल-दर साल इस रोग का खतरा बढ़ता जा रहा है। कैंसर जानलेवा बीमारी है, दुर्भाग्यवश ज्यादातर मामलों में इसका पता ही तब चल पाता है जब रोग काफी गंभीर रूप ले चुकी होती है। पुरुषों में प्रोस्टेट और महिलाओं में ओवेरियन-ब्रेस्ट कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जा रहा है। ये हर साल लाखों लोगों में मौत का कारण बन रही है। सभी लोगों को कैंसर से बचाव के लगातार उपाय करते रहने चाहिए। जिन लोगों में इसके पहले से ही जोखिम कारक हैं, उन्हें विशेष सावधान रहने की आवश्यकता होती है। कुछ फलों-सब्जियों में भी एंटी-कैंसर प्रभाव हो सकते हैं, जिनका नियमित रूप से सेवन करना आपको इस गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाने में लाभकारी हो सकता है।

ब्रोकली

क्या आप जानते हैं कि ब्रोकली कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ से भरपूर होती है? विशेषतौर पर इसे खास बनाती है इसमें मौजूद कैंसर रोधी गुण। ब्रोकली में सल्फोराफेन होता है, जो क्रूसिफेरस सब्जियों में पाया जाने वाला एक यौगिक है, इसे शक्तिशाली कैंसर विरोधी गुण वाला माना जाता है। एक टेस्ट-ट्यूब अध्ययन से पता चला कि सल्फोराफेन वाली चीजें स्तन कैंसर कोशिकाओं के आकार और संख्या को 75 प्रतिशत तक कम सकती हैं।

ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल को शोधकर्ताओं ने हृदय स्वास्थ्य के लिए सबसे लाभकारी खाद्य तेल माना है, पर क्या आप जानते हैं कि इससे कैंसर के जोखिमों को भी कम किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि ऑलिव ऑयल कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिमों से बचाने में भी आपके लिए लाभकारी प्रभाव वाली हो सकती है। अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि जो लोग जैतून के तेल का सेवन करते हैं, उनमें स्तन कैंसर और पाचन तंत्र के कैंसर का खतरा कम होता है।

गाजर

शोधकर्ताओं ने पाया कि गाजर भी हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती है, अध्ययनों से पता चला है कि गाजर खाने से कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। पांच अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया है कि गाजर खाने से पेट के कैंसर का खतरा 26 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसके अलावा गाजर का सेवन करने वाले लोगों में प्रोस्टेट कैंसर विकसित होने की आशंका भी 18 फीसदी तक कम हो जाती है। गाजर विटामिन ए और बीटा-कैरोटिन का बहुत अच्छा स्त्रोत (सोर्स) है। इन पोषक तत्वों (न्यूट्रिएंट्स) के साथ, यह विटामिन ए, ल्यूटिन, ज़ेक्सैंथिन, विटामिन च, डाइटरी फाइबर, आदि का अच्छा स्त्रोत है। जो लोग त्वचा से संबंधित उत्पादों की मदद से अपनी खानपान में सुधार करना चाहते हैं, उनके लिए गाजर एक बढ़िया स्नैक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, कि गाजर मुंहासे, डर्मेटाइटिस, मुंहासे, रैश और अन्य त्वचा से संबंधित बीमारियों का इलाज कर सकते हैं।

दालचीनी

दालचीनी को अध्ययनों में कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ वाला पाया गया है। रक्त शर्करा और शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने में इसके सेवन से विशेष लाभ मिल सकता है। टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों में पाया गया है कि दालचीनी कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को रोकने में भी मदद कर सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दालचीनी का अर्क कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोक सकती है।

हंसना मना है

मेवालाल ने चार लोगों को कार से दबा दिया, जज मेवालाल से-तुमने तो शराब पी नहीं थी तो फिर ऐसा क्यों किया? मेवालाल-जज साहब मेरे एयरटेल वालों ने कहा था कि इस गाने के लिए चार दबायें।

एक महिला मॉल से बिस्कुट चुराते हुए पकड़ी गई। जज ने कहा : तुम ने जो बिस्कुट का पैकेट चुराया, उस में 10 बिस्कुट थे। इसलिए तुम्हे 10 दिन की जेल की सजा दी जाती है। तभी पति पीछे से चिल्लाया: जज साहब, इस ने साबूदाने का पैकेट भी चुराया है।

मरीज को डॉक्टर आखिरकार समझा पाया कि ये ऑपरेशन कितना जरूरी है लेकिन .. जैसे ही उसने 8 लाख का खर्चा बताया मरीज ने फिर मना कर दिया। डॉक्टर बोला — तुम पहले 2 लाख जमा कर दो , बाकी 22 हजार हर महीने किस्तों में दे देना। मरीज बोला— ये तो ऐसे हो गया, जैसे मैं कोई कार ले रहा हूं। डॉक्टर बोला—कह तो सही रहे हो.. लेकिन कार तुम नहीं मैं ले रहा हूं।

1 मुर्गी ने बत्तख से शादी कर ली, मुर्गा: हम मर गये थे क्या? मुर्गी: मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी पर मॉम-डैड चाहते थे लड़का नेवी में हो।

कहानी | आखिर कर्म ही महान है

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछा- कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुन: बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है। यदि किसान बीमार बैल को छोड़ कर मेरा प्रवचन सुनने को प्राथमिकता देता तो दवा के बगैर बैल के प्राण निकल जाते। उसके बाद तो मेरा प्रवचन देना ही व्यर्थ हो जाता। मेरे प्रवचन का सार यही है कि सब कुछ त्यागकर प्राणी मात्र की रक्षा करो। इस घटना के माध्यम से गांव वालों ने भी उनके प्रवचन का भाव समझ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु

जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी।

मकर

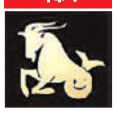

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

30 सालों का इंतजार होगा खत्म
फिर होगी माता सीता की वापसी

रामानंद सागर के ब्लॉकबस्टर पौराणिक धावाहिक रामायण के सभी किरदारों ने ना सिर्फ दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई, बल्कि एक समय पर तो लोग इनकी पूजा करते थे। ये वो दौर था, जब दर्शक सच में मानने लगे थे कि धारावाहिक में नजर आ रहे एक्टर सच में माता सीता और भगवान राम हैं। ऐसे में इन्हें जब कोई कहीं देखता तो चरणों में नमन करने लग जाता। इस धारावाहिक के सभी किरदारों को खूब पसंद किया गया। खासकर भगवान राम और माता सीता के किरदार को तो दर्शकों ने पलकों में बैठाया। रामायण में माता सीता का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया एक बार फिर सुर्खियों में हैं। चर्चा है कि दीपिका चिखलिया एक बार फिर टीवी स्क्रीन पर वापसी करने वाली हैं। जी हां, अभिनेत्री ने 33 सालों बाद टीवी स्क्रीन पर वापसी का फैसला कर लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका चिखलिया अपकमिंग टीवी सीरियल धरतीपुत्र नंदिनी में एक बेहद अहम और पावरफुल रोल में दिखाई देंगी। दरअसल, हाल ही में दीपिका चिखलिया ने सोशल मीडिया पर इस सीरियल का ट्रेलर शेयर किया है, जिसमें वह बेहद अलग अंदाज में नजर आ रही हैं।

धरतीपुत्र नंदिनी का प्रोमो वीडियो

शेयर करते हुए दीपिका चिखलिया ने इस शो की जानकारी फैंस के साथ साझा की और साथ ही ये भी बताया कि यह सीरियल उन्हीं के प्रोडक्शन हाउस का है। वीडियो शेयर करते हुए दीपिका चिखलिया ने कैप्शन में लिखा- हमारी नंदिनी में हैं और भी कई गुण। मिलिये उससे एक नए शो धरतीपुत्र नंदिनी में 21 अगस्त से, सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे, नजारा टीवी पर। अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू में बताया कि इस शो की कहानी अयोध्या के इर्द-गिर्द बुनी गई है। जिसमें एक लड़की नंदिनी की कहानी दिखाई जाएगी। इस किरदार को शगुन सेठ निभा रही हैं।

ड्रीम गर्ल-2 से निकाले जाने पर दुखी हैं नुसरत भरुचा

बॉलीवुड मसाला

आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की अगली फिल्म ड्रीम गर्ल 2 को लेकर काफी बज बना हुई है। 2019 में ब्लॉकबस्टर रहे इस फिल्म के पहले भाग ड्रीम गर्ल के बाद दर्शक इसकी अगली कड़ी को देखने के लिए बेताब हैं। बता दें कि पिछली फिल्म में आयुष्मान के साथ नुसरत भरुचा को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा गया था, लेकिन अब ड्रीम गर्ल-2 में उनकी जगह अनन्या पांडे नजर आ रही हैं। ऐसे में खुद को रिप्लेस किए जाने को लेकर नुसरत ने भी चुप्पी तोड़ दिए है । हाल ही में आई खबरों के मुताबिक नुसरत इस बात से काफी निराश हैं कि उन्हें ड्रीम गर्ल 2 से बाहर कर दिया गया है। एक्ट्रेस से जब इसे लेकर सवाल किया गया तो इस पर उन्होंने कहा, मैं ड्रीम गर्ल 1 का हिस्सा रही और पूरी टीम मुझे बहुत पसंद भी थी। मैं अब भी उनके साथ काम करना मिस करती हूं। ड्रीम गर्ल 2 में मुझे किस वजह से कास्ट नहीं किया गया, इसका जवाब मेरे पास नहीं है।

नुसरत ने आगे कहा, हालांकि, मैं भी एक इंसान ही हूं और मेरा दिल भी दुखता है। हां मुझे ये बहुत अनफेयर सा महसूस हुआ था, लेकिन क्या ही कर सकते हैं, ये उनका फैसला है। कूल.. कोई परेशानी नहीं है। अब एक्ट्रेस का ये बयान सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल होने लगा है। गौरतलब है कि नुसरत जल्द ही फिल्म अकेली में नजर आने वाली हैं और इसे किस्मत की ही बात कहेंगी कि ये मोस्ट अवेटेड फिल्म ड्रीम गर्ल-2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसे लेकर नुसरत का कहना है कि उन्हें बिल्कुल नहीं पता था कि उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल-2 के साथ एक ही दिन रिलीज होने जा रही है। नुसरत ने कहा पहले अकेली को 18 अगस्त को रिलीज होना था, लेकिन बाद में सेंसर इश्यूज के कारण इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ानी पड़ी।

बॉलीवुड हॉट लुक

सेक्स एजुकेशन पर बात होना बहुत जरूरी है : यामी गौतम

यामी गौतम, अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म ओएमजी-2 को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म सेक्स एजुकेशन के मुद्दे पर बात करती है। फिल्म को लेकर कहीं विवाद हो रहा है, तो दूसरी ओर लोग फिल्म की टीम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यामी गौतम से जब पूछा गया कि सेक्स एजुकेशन को लेकर उनकी राय क्या है? क्या वह भी मानती है कि इस मुद्दे पर बात होनी चाहिए? इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने कहा-आज के समय में इस टॉपिक पर बात होना बहुत जरूरी हो गया है। हमें अपने बच्चों को अच्छे बुरे टच के बारे में बताना होगा और उनकी जिज्ञासों को शांत करने के लिए उनके सवालों के जवाब भी देने होंगे। उम्र के साथ बच्चों के शरीर में हो रहे हारमोनल चेंज को लेकर उनसे खुलकर बात करनी होगी। एक्ट्रेस ने कहा की शहरों में तो फिर भी पेरेंट्स अपने बच्चों से...स्कूल में टीचर अपने स्टूडेंट्स से कुछ टॉपिक पर बात करना शुरू कर चुके हैं, लेकिन छोटे कसबों में...गांवों में आज भी लोग ऐसे टॉपिक्स पर बात करना पसंद नहीं करते हैं। वहीं जागरुकता फैलानी बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह भी एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखती है। लेकिन उन्हें हमेशा उनके स्कूल और घर पर इन टॉपिक्स पर अवेयर किया है।

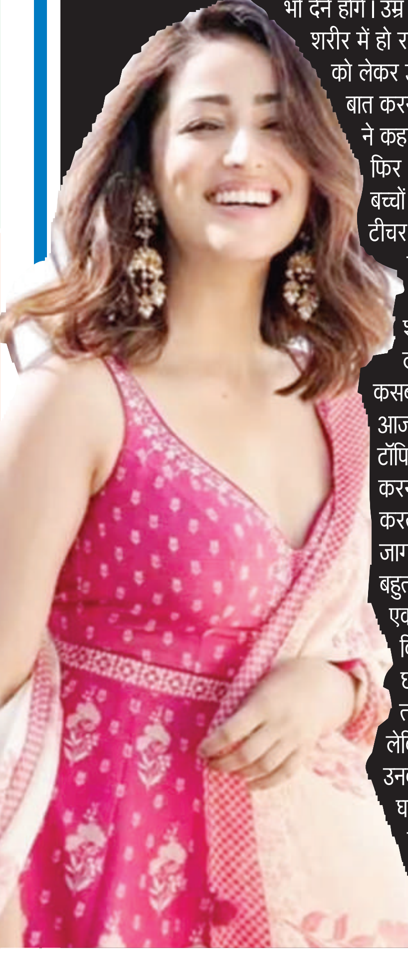

दुनिया का सबसे महंगा कॉकटेल कीमत सुनकर उड़ जायेंगे होश

दुनिया में एक से एक ड्रिंक है,जिनकी कीमत काफी ज्यादा है। आम आदमी तो इसे पीने के बारे सोच भी नहीं सकता। लेकिन आज हम आपको विश्व के सबसे महंगे ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका दाम सुनकर आंखों से पानी आ जाएगा। 'डायमंड्स आर फॉरएवर मार्टिनी' दुनिया का सबसे महंगा कॉकटेल है। जापान का मशहूर बार इसे सर्व करता है और आप जानकर हैरान होंगे कि 1971 में इसी नाम से जेम्स बॉन्ड की एक फिल्म भी बनी थी। वैसे तो इस कॉकटेल को एलिक्स वोदका और ताजा नींबू के रस से मिलाकर तैयार किया जाता है। लेकिन एक तीसरी चीज है, जो इसकी कीमत हजार गुना तक कर देती है। आप सोच रहे होंगे कि अगर वाइन बनाने की लागत कम है तो फिर कीमत इतनी ज्यादा क्यों? दरअसल, जिस गिलास में इसे परोसा जाता है उसके नीचे एक कैरेट का हीरा लगा हुआ होता है। इसे बनाने और परोसने का तरीका सबसे खास है। अगर आप आर्डर करते हैं तो आप इसे अपनी मेज पर बनते हुए देख सकते हैं। साथ में शर्ली बस्सी बैंड डायमंड्स आर फॉरएवर' गीत पर लाइव परफार्मेंस देगा। अब तक आप समझ रहे होंगे कि आप सिर्फ एक कॉकटेल के लिए भुगतान नहीं कर रहे, बल्कि एक ऐसे अनुभव के लिए भुगतान कर रहे हैं जो आपको एक मिलियन डॉलर जैसा महसूस कराएगा।अब आप इसकी कीमत जानने के लिए उतावले होंगे। तो हम बतादें कि 'डायमंड्स आर फॉरएवर मार्टिनी' ड्रिंक की कीमत 18,963.82 डॉलर यानी 1575656 रुपये है। इस कॉकटेल को टोक्यो के रिट्ज-कार्लटन रेस्तरां में बार के अंदर खरीदा जा सकता है। बार इतना खूबसूरत है कि फर्श से छत तक सब विलासिता नजर आती है। यह बार टोक्यो की सबसे ऊंची इमारतों में से एक की 45वीं मंजिल पर स्थित है। वेबसाइट पर इसे टोक?यो टोटल बार के रूप में पेश किया गया है। मेहमानों को शानदार प्लेट में मैन्यू पेश किया जाता है, जिसमें 'वाइन, सेक टेस्टिंग और जापानी वाइन के अलावा वेस्ट के कॉकटेल का भी जिक्र होगा। 'डायमंड्स आर फॉरएवर मार्टिनी' की वेबसाइट के 'सबसे आकर्षक कॉकटेल' में आपको यह सबसे महंगा कॉकटेल मिल जाएगा। चाहे हिलाया जाए या न हिलाया जाए, यह हमेशा चमकता रहता है। यदि यह महंगा ड्रिंक आप नहीं खरीद सकते तो बार में कुछ अधिक किफायती कॉकटेल भी हैं जो आपको लग्जरी अनुभव दे सकते हैं। 'रॉयल जिन बक' की कीमत सिर्फ 19.35 यानी 2,049 है। यह रिट्ज-कार्लटन जिंजर एले, बीबीआर नंबर 3 लंदन ड्राई जिन और हिनोकी बिटर्स से बना है। लेकिन यदि आप सोच रहे हैं कि दुनिया में अगले कुछ सबसे महंगे कॉकटेल कौन से हैं, तो वे भव्य मार्टिनी से काफी नीचे हैं। 'ओनो शैम्पेन कॉकटेल' 10000 डॉलर में मिलता है। इसे जिस ग्लास में परोसा जाता है, उसमें 19 कैरेट का सोने का हार लगा होता है।

अजब-गजब

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में है चमत्कारिक मंदिर

भगवान शिव के इस मंदिर पर हर 12 साल में गिरती है बिजली

अभी सावन का पवित्र महीना चल रहा है। सावन के महीने में लोग भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना तरते हैं। बता दें कि देश में भगवान शिव के कई मंदिर हैं। इनमें से कई मंदिर ऐसे हैं, जो चमत्कारिक हैं। इन मंदिरों के बारे में कई कथाएं और कहानियां प्रचलित हैं। भगवान शिव का ऐसा ही एक रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी है। भगवान शिव का यह रहस्यमयी मंदिर कुल्लू शहर में ब्यास और पार्वती नदी के संगम के पास ऊंचे पर्वत पर स्थित है।

भगवान शिव के इस रहस्यमय मंदिर की गुत्थी आज तक कोई नहीं सुलझा पाया। यहां हर 12 साल के बाद इस मंदिर पर आकाशीय बिजली गिरती है, लेकिन इसके बाद भी मंदिर को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं होता है। यह मंदिर बिजली महादेव के नाम से प्रसिद्ध है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह मंदिर जिस घाटी पर है, वो सांप के रूप में है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शंकर ने इस सांप का वध किया था। इस मंदिर पर हर 12 साल में एक बार भयंकर आकाशीय बिजली गिरती है। बिजली के गिरने से मंदिर का शिवलिंग खंडित हो जाता है।

जब बिजली गिरने से शिवलिंग खंडित हो जाता है तो उसकी जगह दूसरा शिवलिंग स्थापित नहीं किया जाता। शिवलिंग का वापस अपने मूल स्वरूप में लौटना भी चमत्कार है। मंदिर के पूजारी खंडित शिवलिंग पर मक्खन लगाते हैं और शिवलिंग अपने मूल स्वरूप में आ जाता है। माना जाता है कि शिवलिंग पर मक्खन लगाने से महादेव को दर्द से राहत मिलती है। इसी वजह से इसे मक्खन महादेव के नाम भी जाना जाता है। इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा के मुताबिक, यहां एक कुलान्त नामक दैत्य रहता था। यह दैत्य अपनी शक्ति से सांपों का रूप धारण कर लेता था। दैत्य कुलान्त एक बार अजगर का रूप धारण कर मथाण गांव के पास ब्यास नदी में कुंडली मारकर बैठ गया, जिससे नदी का प्रवाह रूक गया और पानी वहीं पर बढ़ने लगा। इसके पीछे उसका उद्येश्य था कि यहां रहने वाले सभी जीव-जंतु पानी में डूब कर मर जाएंगे। यह देख महादेव क्रोधित हो गए। इसके बाद महादेव ने एक माया रची। भगवान शिव दैत्य के पास गए और उसे कहा कि उसकी पूंछ में आग लगी है। महादेव की बात को सुनकर दैत्य ने जैसे ही पीछे मुड़कर देखा तो शिवजी ने त्रिशुल से कुलान्त के सिर पर वार किया और वह वहीं मर गया। कहा जाता है दैत्य का विशालकाय शरीर पहाड़ में तब्दील हो गया, जिसे आज हम कुल्लू के पहाड़ कहते हैं। कथा के अनुसार भगवान शिव ने कुलान्त का वध करने के बाद इन्द्र से कहा कि वह हर 12 साल में वहां बिजली गिराएं। ऐसा करने के लिए भगवान शिव ने इसलिए कहा, जिससे जन-धन की हानी न हो। भगवान खुद बिजली के झटके को सहन कर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

स्कूली ड्रेस में जमकर किया गया भ्रष्टाचार : दिग्विजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूलों में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क बांटी जानी वाली यूनिफॉर्म की गुणवत्ता पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाए है। उन्होंने यूनिफॉर्म बांटने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। इसमें कहा कि प्रदेश के स्कूलों में बांटी जाने वाली यूनिफॉर्म की गुणवत्ता में कई शिकायतें प्राप्त हुई है। इन पर प्रशासनिक अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की।

सीएम शिवराज से की जांच की मांग

दिग्विजय सिंह ने उमरिया का उदाहरण देकर बताया कि कहीं बच्चों की यूनिफॉर्म छोटी बांट दी गई तो कहीं कुछ माह में उनकी यूनिफॉर्म फटने लगी पूर्व सीएम ने सीएम से कहा कि शहडोल संभाग का उमरिया जिला अनुसूचित जनजाति बाहुल्य है। यहां पर बड़ी आबादी गरीब आदिवासी वर्ग की है। उन्होंने कहा कि आदिवासी परिवार के बच्चों को खराब गुणवत्ता की यूनिफॉर्म बांटना सिर्फ भ्रष्टाचार का मुद्दा नहीं है। यह उनके साथ अत्याचार भी है। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से मामले में दलालों, ठेकेदारों और अधिकारियों के गठजोड़ की राज्य स्तरीय जांच करने के निर्देश दिए और दोषियों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्रवाई करने की मांग की।

हमारी तैयारी से कांग्रेस बौखला गई : शिवराज

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस नेताओं में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा की सरकार के 18 साल में हुए घोटालों की कथित शीट जारी की। इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार किया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा

कि हमारी तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। कांग्रेस बौखला गई है। इस वजह से उल-जुलूल आरोप लगा रही है। जनता का जो प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है, वह अद्भुत और अभूतपूर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से मैदान में है। युद्ध स्तर पर हमारी तैयारियां चल रही है। कांग्रेस कह रही थी एक साल पहले उम्मीदवार घोषित करेंगे, छह महीने पहले उम्मीदवार घोषित करेंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने तो अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। हमारे सेनापति अब मैदान में है। सरकार का विकास पर्व चल रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। अलग-अलग करीब कल्याण और जन कल्याण के कार्यक्रम लगातार किए जा रहे हैं।

फोन आए, अधिकारी भी आए पर समस्या जस का तस

» पूर्व डीजीपी ने खोली सिस्टम की पोल

» गोमतीनगर विस्तार में व्याप्त अराजकता, भाजपा का झंडा लगाकर हो रहा अतिक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फोन आए, अधिकारी भी आए पर समस्या आज भी वैसे ही है जैसे पहले थी। यूपी के एक पूर्व डीजीपी ने यूपी के काम करने के सिस्टम की पोल खोली है। उन्होंने कहा कि मैंने 7 जुलाई को एक पोस्ट लिखी थी कि कैसे गोमतीनगर विस्तार में भाजपा का झंडा लगाकर कुछ लोगों ने सड़क पर अतिक्रमण करके अवैध निर्माण कर लिये हैं और कुत्ते बाहर बांधते हैं।

कुत्ते खुले भी छोड़े रहते हैं जो सड़क पर चलने वालों पर हमला करते हैं। टोकने पर बदतमीजी करते हैं। इस पोस्ट को काफी समाचार पत्रों ने छापा। लेकिन किसी अधिकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की। सिर्फ पुलिस महानिदेशक ने मुझे काल किया और उन्होंने कहा कि वे लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम तथा पुलिस आयुक्त लखनऊ से बात करेंगे। शायद उन्हीं के कहने पर विकास प्राधिकरण से दो लोग मेरे पास आये थे लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं की गई।

नगर निगम से एक सज्जन ने फोन पर बात की थी लेकिन किया उन्होंने भी कुछ नहीं। पुलिस से न तो कोई आया और न ही फोन किया। अगस्त महीने की शुरुआत में मैंने उधर जाकर देखा तो पाया कि दोनों अतिक्रमण पूर्ववत मौजूद हैं और कुत्ते भी बाहर ही बंधे हुए हैं। मैं नजदीक नहीं गया। एक झंडाधारी ने तो और भी हद कर दी है। उसने अपने दो बड़े खूंखार कुत्तों, एक लैब्राडोर रिट्रीवर एवं एक जर्मन शेफर्ड को खुला छोड़ रखा था। मैं एक क्रासिंग पहले से ही मुड़ गया अन्यथा परिणाम समझा जा सकता है। लखनऊ में खासकर और पूरे उत्तर प्रदेश में आमतौर पर अराजकता का माहौल है। आम इज्जतदार आदमी को अपनी जान-माल और इज्जत बचाना मुश्किल हो गया है। ज़रा भी प्रतिरोध करिये तो आपको बेइज्जत कर दिया जायेगा और मारपीट भी की जा सकती है। पुलिस कोई मदद करने के बजाय आप पर ही एफ.आई.आर. दर्ज कर देगी। अभी कुछ दिन पहले भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लोगों ने, गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव को पीटा और कुलपति पर हमला किया। आजतक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मासूम बच्चे के लिए दर-दर भटक रही मां

» पुलिस से बेटे को वापस दिलाने की लगाई गुहार

» ससुरालीजनों ने छीना बेटा, घर से भी भगा दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने मासूम बच्चे के लिए एक मां दर-दर भटक रही है। उसके डेढ़ साल के बच्चे को उससे छीनकर उससे अलग कर दिया है। अलग करने वाले कोई और नहीं उसके पति व उसके ससुरालीजन हैं। पीड़िता ने पुलिस से अपने बच्चे को उसे दिलाने की प्रार्थना की है। पीड़िता ने साथ यह भी आरोप लगाया है सुसरालीजन उसे जान से मारने की धमकी भी दे रहें है। वर्तमान में पीड़िता पुष्पा मौर्या अपनी मा के पास रह रही है।

पुष्पा मौर्या पत्नी सतगुर शरण मौर्या उर्फ मोनू मोर्या पुत्र वियर प्रसाद नीग्राम- माती पोस्ट-सुराबाद- देवा, जनपद बाराबंकी हाल 549/34 सालेहनगर मौर्याटोला, बंगला बाजार आशियाना की रहने वाली है। उनका विवाह हिन्दू रीति-रिवाज के साथ 12.03.2007 को सतगुर मौर्य से हुआ था। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि ससुराल में उसके पति सतगुर शरण मौर्या उर्फ मोनू मौर्या पुत्र विश्वेश्वयर प्रसाद उनके बहनोई सोनू मौर्या, उनके जीजा मौर्या और उनकी पत्नी अनीता मौर्या (छोटी ननद), सुनीता मौर्या पति कृपाल मौर्या पीड़िता को आये दिन लगभग 1 साल से परेशान कर रहे थे। इतना ही नहीं मेरे पति से सांठ-गांठ करके उसका दूसरा विवाह करा दिया है। जिस कारण उसके पति प्रतिदिन प्रार्थिनी को मारते-पीटते है कि और कहते है कि यहाँ से भाग जाओ। 13.08.2023 को समय लगभग 8 बजे रात्रि में ससुराल में मारपीट करके उसका सारा सामान गहने, कपड़े, मोबाईल आदि छीन लिया और पहने हुए कपड़ो में घर से भगा दिया। पीड़िता की माँ को सूचना मिलने पर वो यहाँ पर अपनी पुत्री को अपने घर पर ले आई।

जहां भी हों पूरी मेहनत, लगन से कार्य करें : पाठक

» उप मुख्यमंत्री ने टाइपा की चार दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अलीगंज स्थित कला स्रोत आर्ट गैलरी में द यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन (टाइपा) की चार दिवसीय सातवीं राष्ट्रीय सामूहिक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वर्ल्ड फोटोग्राफी दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित फोटो प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने एक-एक कर प्रदर्शनी में लगी तस्वीरें देखी और सराहना की।

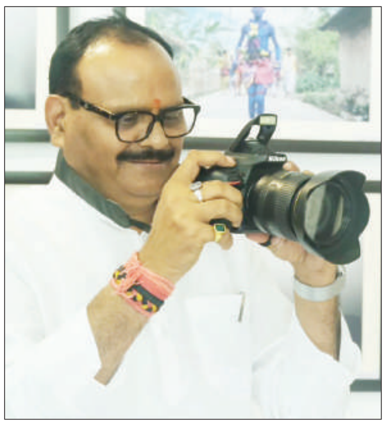

कार्यक्रम में टाइपा के अध्यक्ष शाहिर सिद्दीकी ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का स्वागत किया। इस मौके पर अध्यक्ष शाहिर सिद्दीकी ने कहा कि युवा छायाकारों की प्रतिभा, रचनात्मकता और दृष्टिकोण को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से साल 2015 में एसोसिएशन का गठन किया गया था। जिससे हम देश भर के उन युवाओं को भी एक मंच प्रदान कर सकें जो पत्रकारिता के क्षेत्र में न होते हुए भी फोटोग्राफी को अपने जीवन में स्थान देते हैं। शाहिर सिद्दीकी ने बताया कि टाइपा के माध्यम से हमें अपने उद्देश्य को सफल करने में सफलता हासिल हुई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि फोटोग्राफी कोई आसान कार्य नहीं है। यह बेहद जोखिम भरा काम है। जो भी व्यक्ति इस प्रोफेशन में हैं वह बहुत मेहनत से अपनी जिम्मेदारी को निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर ही हमारे भाग्य को तय करते हैं। इसलिए हम जिस क्षेत्र में हों उसमें ही पूरी मेहनत और लगन से कार्य करें। ब्रजेश पाठक ने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए बताया कि मैं जब छात्र जीवन में था उस वक्त भी कई ऐसे छायाकार थे जो पूरे जुनून के साथ रात-दिन मेहनत किया करते थे। इस मौके पर टाइपा के उपाध्यक्ष वी. सुनील, आशुतोष त्रिपाठी, सचिव किशन सिंह, संयुक्त सचिव सुनील रैदास, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, लेखा मंत्री आशु सिंह, दानिश अतीक और कार्यकारिणी सदस्य अनिल जायसवाल, मोहम्मद मुकीद, अजय कुमार, मोनिश अतीक, लकी वर्मा, ईशु गुज्जर सहित कई अन्य छायाकार उपस्थित रहे। मंच का संचालन शाश्वत मिश्रा ने किया।

वरिष्ठ छायाकार हुए सम्मानित

कार्यक्रम में लखनऊ के चार वरिष्ठ छायाकारों को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसमें अशोक दत्ता, धर्मचंद्र, स्वप्न पाल और फूलचंद का नाम शामिल है।

लाइटिंग वर्कशॉप का आयोजन आज

टाइपा की फोटो प्रदर्शनी में शनिवार को प्रख्यात छायाकार विकास बाबू की ओर से गोडेक्स लाइटिंग वर्कशाप का आयोजन होगा। जिसमें कोई भी छात्र-छात्रा या व्यक्ति आकर लाइटिंग के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

अंतिम पंघाल ने लगाया ऐतिहासिक दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में बेटियों ने इतिहास रच दिया। हिसार (हरियाणा) की अंतिम पंघाल लगातार दूसरी बार अंडर-20 विश्व चैंपियन बनने वाली देश की पहलवान बेटी बनीं, वहीं रोहतक की सविता ने 62 भार वर्ग में स्वर्ण जीता। अंतिम कुंडू 65 भार वर्ग में दुर्भाग्यशाली रहीं और फाइनल में नहीं जीत पाई। उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। रीना (57), आरजू (68) और हर्षिता (72) ने कांस्य पदक जीते।

दूसरी बार अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप जीतीं, सविता ने स्वर्ण पर किया कब्जा

कुश्ती के इतिहास में पहली बार बेटियों ने अंडर-20 विश्व टीम चैंपियनशिप भी अपने नाम की। अंतिम ने ने शुक्रवार को 53 भार वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की मारिया येफरेमोवा को 4-0 से परास्त कर स्वर्ण जीता। वह बीते वर्ष पहली बार अंडर-20 विश्व चैंपियन बनी थीं। वहीं सविता ने वेनेजुएला की पाओला मेंटोरो चिरिनोस को तकनीकि दक्षता के आधार पर पराजित किया। अंतिम गुरुवार को लगातार तीन बाउट जीतकर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने स्वर्ण पदक के सफर में सिर्फ दो अंक गंवाएं। अंतिम वही पहलवान हैं जिन्होंने विनेश फोगाट को एशियाड में सीधे प्रवेश दिए जाने का विरोध करते हुए धरना दिया था।

हालांकि, बाद में विनेश ने घुटने के आपरेशन के चलते एशियाड से नाम वापस ले लिया। अंतिम विनेश को एशियाड टीम में सीधे चुने जाने पर अदालत भी गई थीं। उन्होंने अप्रैल माह में एशियाई चैंपियनशिप में इसी भार में रजत भी जीता। सविता ने पाओला के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले ही दौर में 9-0 की बढ़त ले ली। दूसरे दौर की शुरुआत में ही एक अंक हासिल कर रेफरी ने बाउट रोककर सविता को विजेता घोषित कर दिया।

अंतिम कुंडू को मिला रजत

अंतिम कुंडू का फाइनल में स्थानीय पहलवान एनिको एलेकेस से मुकाबला था, जिसमें उन्हें 2-9 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले रीना ने कांस्य पदक की लड़ाई में कजाखस्तान की शुगायला ओमिरबेक को 9-4 से पराजित किया। आरजू और हर्षिता ने कांस्य पदक जीतकर भारत को महिलाओं की टीम चैंपियनशिप दिलाई।

'सुप्रीम' दरबार में पहुंचा 16 से 18 साल की उम्र में सहमति से यौन संबंध का मामला

अपराध की श्रेणी से बाहर करने की याचिका दाखिल, शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा, जिसमें सहमति से यौन संबंध बनाने के लिए 16 से 18 साल के किशोरों के खिलाफ अक्सर लगाए जाने वाले वैधानिक बलात्कार पर कानून को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वकील हर्ष विभोर सिंघल द्वारा उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दायर जनहित याचिका पर ध्यान दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वकील हर्ष विभोर सिंघल द्वारा उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दायर जनहित याचिका पर ध्यान दिया। पीठ ने केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय और गृह मामलों और राष्ट्रीय महिला आयोग सहित कुछ अन्य वैधानिक निकायों को नोटिस जारी किया है। जनहित याचिका वैधानिक बलात्कार कानूनों की वैधता को चुनौती देती है जो 16 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के बीच सहमति से यौन संबंध को इस आधार पर अपराध घोषित करते हैं कि ऐसे कृत्यों के लिए उनकी सहमति वैधानिक रूप से अमान्य है। याचिका में कहा गया कि अनुच्छेद 32 या रिट की प्रकृति में किसी अन्य दिशा के तहत परमादेश की एक रिट पारित करें और किसी भी 16+ से 18 वयस्कों के बीच स्वैच्छिक सहमति से यौन संपर्क के सभी मामलों पर लागू वैधानिक बलात्कार के कानून को कम करने के लिए 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करें। इसमें कहा गया है कि ऐसे किशोरों में शारीरिक, जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक क्षमताएं, जोखिमों को समझने और समझने के लिए जानकारी को आत्मसात करने और मूल्यांकन करने की क्षमता, सकारात्मक निर्णय लेने या अन्यथा सूचित विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होती है और निडर होकर एजेंसी और निर्णयात्मक/शारीरिक स्वायत्तता होती है। स्वतंत्र रूप से और स्वेच्छा से वही करते हैं जो वे अपने शरीर के साथ करना चाहते हैं।

गुजरात सरकार को उच्चतम न्यायालय की नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात में बलात्कार की वजह से गर्भवती हुई पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत की अर्जी पर आज शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। इस ममाले को लेकर जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सुनवाई की। कार्यसूची में याचिकाकर्ता का नाम गोपनीय होने की वजह से ×45 लिखा गया है। गुजरात हाईकोर्ट ने बलात्कार पीड़िता को गर्भ गिराने की अनुमति नहीं दी तो पीड़िता ने अपनी मां के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पीड़िता 25 साल की है। यही वजह है कि कोर्ट में अवकाश के दिन स्पेशल सुनवाई हुई है, जब सुनवाई शुरू हुई तो कोर्ट ने अर्जी देखी और पूछा कि 11 अगस्त को गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद से क्या हुआ? पीड़िता के वकील ने कहा कि चार अगस्त को गर्भ का पता चला और सात अगस्त को अर्जी लगाई, इसके बाद हाईकोर्ट ने बोर्ड बनाया, 11 अगस्त को रिपोर्ट आई बोर्ड हमारी दलील के समर्थन में था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने 10 अगस्त से अब तक बहुत सारा बहुमूल्य समय नष्ट कर दिया है। कोर्ट ने नोटिस किया गुजरात सरकार, भरूच मेडिकल कॉलेज के मेडिकल सुप्रिटेंडेंट सहित सभी पक्षकारों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। गुजरात सरकार की वकील स्वाति घिल्डियाल से कोर्ट ने सीधे सवाल पूछे कि आखिर इतने संवेदनशील मामले में इतने दिन कैसे खराब हुए। हमें खेद है कि हमें ऐसी टिप्पणी करनी पड़ रही है। पीड़िता के वकील ने कहा कि गर्भावस्था के 25वें हफ्ते में कोर्ट गए थे, लेकिन एक के बाद एक दिन निकल गए. सोमवार के बाद 28 वां हफ्ता शुरू हो जाएगा। पीड़िता के वकील ने कहा कि आज मेडिकल जांच कराई जाए। कल शाम 6 बजे तक कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी है. सोमवार को पहले मुकदमे के तौर पर सुनवाई होगी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा हमारे आदेश की प्रति सभी पक्षकारों को मुहैया करा दी जाए।

आय से अधिक संपत्ति मामले में अमिताभ ठाकुर पूरी तरह मुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व आईपीएस अफसर और आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर आय से अधिक संपत्ति मामले में पूरी तरह से मुक्त हो गए हैं।

जुलाई 2015 में अमिताभ ठाकुर द्वारा मुलायम सिंह यादव पर धमकी देने का आरोप लगाने के बाद उन पर की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई के क्रम में उन पर सितंबर 2015 में उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान द्वारा थाना गोमती नगर में आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया था।

उन पर अपनी आय से 98 लाख रुपए अधिक होने का आरोप लगाया गया था। अमिताभ ठाकुर ने उसी समय इस मुकदमे को राजनीति से प्रेरित बताया था। इस मुकदमे की विवेचना ईओडब्लू द्वारा की गई जिन्होंने लगभग साढ़े 3 साल की विवेचना के बाद यह निष्कर्ष निकाला था कि अमिताभ ठाकुर आय से अधिक संपत्ति के दोषी नहीं हैं। ईओडब्ल्यू ने शासन से अनुमोदन के बाद अपनी अंतिम रिपोर्ट अक्टूबर 2018 में लखनऊ कोर्ट को भेजी थी। तब से यह मामला लखनऊ कोर्ट में लंबित था। अब स्पेशल जज पीसी कोर्ट द्वितीय रेखा शर्मा ने अपने आदेश द्वारा ईओडब्ल्यू की अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार कर अमिताभ ठाकुर को आय से अधिक के आरोपों से मुक्त कर दिया है।

अयोध्या में रची गई थी मूसेवाला की हत्या की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की हत्या की साजिश उत्तर प्रदेश में बैठ कर रची गई थी। सूत्रों ने बताया कि अयोध्या में अपराधियों की ट्रेनिंग हुई थी, उसके बाद पंजाब में सिद्धू मूसेवाला का मर्डर हुआ, कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें आरोपी अयोध्या में घूमते नजर आ रहे हैं। ये तस्वीरें सिद्धू मूसेवला हत्याकांड से कुछ दिन पहले की बताई जा रही हैं।

तस्वीरों में सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की प्लानिंग करने वाला और हाल ही में अजरबैजांन से डिपोर्ट हुआ सचिन थापान दिखाई दे रहा है। सचिन के साथ-साथ बिश्नोई गैंग के तमाम शूटर अयोध्या और लखनऊ में घूमते नजर आ रहे हैं, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से पहले बिश्नोई गैंग को उत्तर प्रदेश में बड़ा कांड करने की सुपारी मिली थी।

उद्यान एक्सप्रेस में लगी आग, टला बड़ा हादसा

मुंबई से आई थी बेंगलुरु फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु के क्रांतिवीरा संगोल्ली रायन्ना (केएसआर) रेलवे स्टेशन पर आज सुबह उद्यान एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई। दमकल की गाड़ियों को तत्काल मौके पर भेजा गया और आग बुझाने में जुट गईं। ये ट्रेन मुंबई से बेंगलुरु स्टेशन के बीच चलती है और केएसआर रेलवे स्टेशन अंतिम स्टापेज है।

दक्षिण-पश्चिम रेलवे के हवाले से बताया है कि आग लगने की घटना यात्रियों के ट्रेन से उतरने के 2 घंटे बाद हुई, हादसे में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है। मौके पर पहुंची दमकल और विशेषज्ञ स्थिति का जायजा ले रहे हैं। ट्रेन में आग लगने की ये इसी सप्ताह दूसरी घटना है। इसके पहले बुधवार (16 अगस्त) को कच्चा तेल लेकर मुंगेर से किउल जा रही मालगाड़ी के टैंकर में जमालपुर रेलवे स्टेशन पर आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने सतर्कता से समय रहते आग पर काबू पा लिया था और कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही टाल दिया गया. घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था। बताया गया था कि स्पार्किंग के चलते ट्रेन के टैंकर में आग लगी थी।

यूपी में दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर अचानक फेल हुआ ट्रेन का ब्रेक

बागपत जनपद में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां दिल्ली-सहारनपुर रेलवे मार्ग पर दिल्ली से सहारनपुर जाने वाली ट्रेन में हादसा होते-होते बच गया। बताया गया कि ट्रेन नंबर 4401 के अचानक ब्रेक फेल हो गए। इस दौरान यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

पत्रकार विमल की हत्या में चार आरोपी गिरफ्तार

» दो जेल में हैं बंद, जिनकी रिमांड की हो रही तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अररिया। पत्रकार विमल कुमार की हत्या मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में भरगामा थाना क्षेत्र का विपिन यादव पिता छेदी यादव, मृतक विमल के गांव बेलसारा थाना रानीगंज का भवेश यादव पिता लस्सी यादव और आशीष यादव पिता देवानंद यादव व रानीगंज थाना क्षेत्र के ही कोशिकापुर उत्तर निवासी उमेश यादव पिता स्व तेजनारायण यादव शामिल हैं।

हत्या के मामले में मृतक पत्रकार विमल के पिता हरेंद्र प्रसाद सिंह के फर्द बयान पर रानीगंज थाने में केस दर्ज कर आठ लोगों को नामजद किया गया है। इनमें चार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है। वहीं, इस मामले में नामजद दो अभियुक्त रूपेश यादव पिता उगेन यादव वर्तमान में सुपौल जेल में और क्रांति यादव पिता उमेश यादव अररिया जेल में बंद है। एसपी अशोक कुमार सिंह ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पत्रकार की हत्या के मामले में चार नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है। वहीं, दो नामजद वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में बंद हैं। न्यायिक अभिरक्षा में बंद दोनों अभियुक्तों को भी रिमांड पर लेने की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि रानीगंज के पत्रकार विमल कुमार की अपराधियों ने शुक्रवार तड़के लगभग 5.15 बजे घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद से इस मामले ने काफी तूल पकड़ लिया।

सीएम नीतीश कुमार ने दिए थे जांच के आदेश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी जांच के आदेश दिए थे। अररिया और रानीगंज पुलिस घटना के बाद से ही इसको चुनौती के रूप में लेते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम बनाकर छापेमारी कर रही थी। एसपी अशोक कुमार सिंह स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे। शुक्रवार की संध्या पूर्णिया के आईजी सुरेश चौधरी ने भी रानीगंज स्थित घटनास्थल का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश एसपी को दिए थे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।